an>

Title: Need to declare the areas having considerable number of Marathi-speaking people in Karnataka as a Union Territory.

श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) : देश में 1 मई, 1960 से पहले मुम्बई राज्य था। मुम्बई राज्य में आज कर्नाटक में सम्मिलित किये गये चार जिले बेलगाम, बीजापुर, कारवार, धारावाड़ भी शामिल थे। इसका प्रमुख कारण था कि इस क्षेत्र में कन्नड़ भाषी जनता से ज्यादा मराठी भाषी जनता है। 1 मई, 1960 को महाराष्ट्र और गुजरात अस्तित्व में आ गये एवं बेलगाम, धारवाड, कारवार और बीजापुर ये चारों जिले कर्नाटक में शामिल किये गये। इनमें सबसे ज्यादा मराठी भाषिकों की संख्या बेलगाम में है।

पिछले कुछ दिनों से मराठी भाषिकों पर कर्नाटक प्रशासन और कर्नाटक पुलिस के अत्याचार, अमानवीय व्यवहार और बर्बरता बढ़ती ही जा रही है। येल्लूर गांव में भी उनके साथ बर्बरता का व्यवहार किया गया। इस क्षेत्र के मराठी भाषिक लोगों को अपनी भाषा, संस्कृति आदि के मुताबिक रहने और बोलने की आजादी नहीं हैं। इस संदर्भ में कुछ दिन पहले यह मामला संसद में उठा था। उसके पश्चात् कर्नाटक पुलिस द्वारा वहां के लोगों पर अत्याचार और बढ़ गए हैं।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इस मराठी भाषी क्षेत्र को केन्द्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए जिससे वहां के लोग शांति से जी सकें और अपनी मातृभाषा में प्रशासनिक व्यवहार कर सकें।